>

Title: Need to provide adequate wages to labourers working in tea plantations in Uttarakhand.

**श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल):** मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान उत्तराखंड राज्य के चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तराखंड राज्य, भारतवर्ष का सीमांत क्षेत्र है और साथ ही यहां भौगोलिक परिस्थितियां भी काफी विषम है। परंपरागत खेत व नौकरी ही आय व रोजी-रोटी का साधन है। इस राज्य के पहाड़ी जनपद जैसे चमोली, नैनीताल, देहरादून, अलमोड़ा आदि में चाय बागान का कार्य लगभग 50 वर्ष पूर्व से किया जा रहा है। जनपद चमोली के कर्णप्रयाग व गैरसैंण ब्लाक में चाय बागान की अत्याधिक खेती की जाती है, इनमें स्थानीय लोग श्रमिक के रूप में कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं।

इन चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों को यथायोग्य वेतनमान का भुगतान नहीं हो रहा है और न ही उन्हें बीमा, चिकित्सा, बच्चों की पढ़ाई के लिएक सी प्रकार की कोई सुविधा प्राप्त है। ऐसे में इन लोगों के सामने आर्थिक तंजी व भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तराखंड की राज्य सरकार को निर्देशित करे कि चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों को समुचित वेतन व बीमा सुविधा का लाभ प्रदान करे जिससे चाय बागानों में काम करने वाले हजारों श्रमिकों को दो वक्त का भेजन सुनिश्चित हो सके।